सीरी में 'उद्यमिता के लिए स्मार्ट कृषि' विषय पर स्किल डेवलपमेन्ट प्रोग्राम का आयोजन

सीएसआईआर-सीरी और एनआईएएम (नियाम), जयपुर के सहयोग से आयोजित हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार किसानों की आय को बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है और विद्यार्थियों सहित युवा किसानों को विभिन्न योजनाओं ओर कार्यक्रमों के माध्यम से खेती-बाड़ी में नई तकनीक के उपयोग से कृषि उपज को बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रही है। 'सीएसआईआर-सीरी' भी इलेक्ट्रॉनिक्स के माध्यम से किसानों को लाभान्वित करने के लिए और अन्य जानकारियाँ किसानों से साझा करने के लिए समय-समय पर किसान मेला, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि का आयोजन करती है। इसी कड़ी में संस्थान में चौधरी चरण सिह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रिकल्चरल मार्केटिग – एनआईएएम) जयपुर के सहयोग से दिनांक 27 से 29 दिसंबर, 2023 तक छात्र-छात्राओं के लाभार्थ '**उद्यमिता के लिए स्मार्ट कृषि**' विषय पर **तीन-दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को स्मार्ट कृषि और उद्यमिता पर महत्पवूर्ण जानकारी दी गई।

फील्ड विज़िट के दौरान प्रतिभागियों से चर्चा करते हुए
डॉ मनीष मैथ्यु, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान टेक्नोलॉजी एंड बिज़नेस डेवलपमेंट ग्रुप के प्रमुख डॉ मनीष मैथ्यु, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को संस्थान के प्रीसीज़न कृषि केंद्र का फील्ड विजिट कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपज बढ़ाने के लिए हमें खेती के परंपरागत तरीकों को छोड़ नई तकनीक का उपयोग करना चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के लाभार्थ विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए। विवरण इस प्रकार है:

व्याख्यान	वक्ता/प्रस्तुतकर्ता
1. ए आई इन एग्रिकल्चर	डॉ विजय चटर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक
2. इंट्रोडक्शन टु कन्वॉल्युशनल न्यूरल नेटवर्क	डॉ गौरव पुरोहित, वरिष्ठ वैज्ञानिक
3. रोल ऑफ स्मार्ट एग्रि-आंत्रप्रिन्योर बनाम ट्रेडिश्नल एग्रि-आंत्रप्रिन्योर	श्री प्रमोद तँवर, प्रधान वैज्ञानिक
4. रोल ऑफ आईपी एंड कॉपीराइट फॉर आंत्रप्रिन्योरशिप	डॉ नीरज कुमार, प्रधान वैज्ञानिक
5. ई-टेक्नोलॉजी फॉर एग्रिकल्चर	डॉ एस. सदिस्तप, मुख्य वैज्ञानिक

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान देते हुए वक्तागण

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 29 दिसंबर, 2023 को हुआ। समापन एवं विदाई सत्र में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रिकल्चरल मार्केटिग (एनआईएएम-नियाम), जयपुर के चीफ ऑपरेटिग ऑफिसर **डॉ रवि कुमार गोयल** मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की। इस अवसर पर प्रतिभागियों एवं फैकल्टी के अलावा टीबीडी प्रमुख डॉ मनीष मैथ्यु, पीएमई प्रमुख प्रमोद तँवर, कार्यक्रम संयोजक डॉ विजय चटर्जी उपस्थित थे।

अध्यक्षीय संबोधन देते हुए डॉ पी सी पंचारिया,
निदेशक, सीएसआईआर-सीरी, पिलानी

अपने अध्यक्षीय संबोधन में **डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी** ने संक्षेप में प्रतिभागियों को संस्थान के उद्देश्यों और प्रमुख गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को परिश्रम और इंटरडिसिप्लिनरी शोध के महत्व को समझाते हुए संस्थान में प्रीसीजन कृषि प्रायोगिक स्टेशन की स्थापना के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व पीएमई प्रमुख डॉ प्रमोद तँवर ने मुख्य अतिथि डॉ रवि कुमार गोयल का औपचारिक स्वागत किया।

कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान देते हुए डॉ रवि कुमार गोयल,
चीफ ऑपरेटिग ऑफिसर, एनआईएएम (नियाम), जयपुर

डॉ रवि कुमार गोयल, चीफ ऑपरेटिग ऑफिसर, नियाम, जयपुर ने अपने संस्थान - नियाम, जयपुर के बारे में बताते हुए प्रतिभागियों को उद्यमिता का महत्व समझाया। डॉ रवि कुमार गोयल ने **'किक स्टार्ट युअर एग्रि-स्टार्टअप : एग्रि आंत्रप्रिन्योरशिप अपॉर्चुनिटीज़'** विषयक आमंत्रित व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण प्रतिभागियों को उद्यमी बनने की प्रेरणा देते हैं। उन्हों ने आशा व्यक्त की कि हमारे प्रशिक्षार्थी नौकरी ढूंढ़ने के स्थान पर नौकरी देने वाले बनेंगे। उन्हों ने इस अवसर पर भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी।

तीन-दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का समन्वयन डॉ विजय चटर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया। कार्यक्रम में 30 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ पंचारिया एवं नियाम के डॉ गोयल को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने डॉ रवि कुमार गोयल को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

स्मृति चिह्न भेंट कर डॉ रवि कुमार गोयल को सम्मानित करते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

सीएसआईआर-सीरी में इस कार्यक्रम का आयोजन चौधरी चरण सिह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रिकल्चरल मार्केटिग – एनआईएएम) जयपुर के सहयोग से किया गया। यह संस्थान कृषि विपणन (मार्केटिग) के क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण, अनुसंधान, शिक्षा और परामर्श प्रदान करने के लिए अगस्त, 1988 में भारत सरकार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्तर का प्रमुख संस्थान है।